अक्तूबर, 1991 तक एक ड्रा निकाले जाने की संभावना है ।

(घ) योजना के तहत पंजीकरण शुल्क के अतिरिक्त, आवेदनों के विषय में अधिक सुव्यवस्थित कार्रवाई करने के लिए प्रत्येक आवेदक से कार्रवाई शुल्क के रुप में 200 रुपये की राशि ली गई थी ।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना

*295. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना का निर्माण कार्य पूरा हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो यह निर्माण कार्य कब तक पूरा किया गया था और उसके परिणामस्वरूप कुल कितनी भूमि सिंचाई के दायरे में आ गई ;

(ग) क्या यह भी सच है कि नहर से खेतों तक पानी ले जाने के लिये पानी वितरण व्यवस्था अभी पूरी नहीं ई है ;

(घ) यदि हां, तो क्या इस व्यवस्था को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय लिया गया है, यदि हां, तो वितरण व्यवस्था की कुल कितनी लम्बाई है; और

(ङ) इस वितरण व्यवस्था के दोनों चरणों को पूरा करने के लिए क्या समय तथा लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं और उपयुक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के पश्चात् कुल कितनी भूमि सिंचाई के अन्तर्गत आ जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) से (ग) इंदिरा गांधी नहर परियोजना दो चरणों में कार्यान्वित की जा रही है । परियोजना का चरण–I जिसमें मुख्य नहर (हरिक बराज से राजस्थान सीमा तक पोषक नहर सहित) तथा वितरण प्रणाली शामिल है, वितरण प्रणाली के कुछ लघु संतुलन कार्यों को छोड़कर, पूरा हो गया है । चरण–II की मुख्य नहर भी अपनी संपूर्ण लम्बाई तक पूरी हो गयी है और वितरण प्रणाली पर कार्य किया जा रहा है । नीचे दी गई तालिका में वितरण प्रणाली की कुल लम्बाई, चरण–I और II क्षेत्रों के अन्तर्गत सिंचाई में शामिल किया जाने वाला संभावित कुल क्षेत्र तथा मार्च, 1991 तक उपलब्धियां दी गयी हैं–

मद	यूनिट	कुल मात्रा	मार्च, 1991 तक उपलब्धि
1	2	3	4
चरण–I			
1. पोषक नहर	कि०मी०	204	204 (जून 1964 तक)
2. मुख्य नहर	कि०मी०	189	189 (जून, 1975 तक)
3. वितरण प्रणाली	कि०मी०	3125	3103

1	2	3	4
4. जल मार्ग (पक्के)			
क. फ्लो क्षेत्र	कि०मी०.	11728	9516
	लाख हैक्टे०	4.44	3.65
लिफ्ट क्षेत्र	कि०मि०	1380	1380
		(समानुपाती आधार पर)	
5. कृष्य कमान क्षेत्र	लाख हेक्टे०	0.46	0.45
	लाखहेक्टे०	5.28	5.26
6. क्षमता	लाख हेक्टे०	5.78 (चरम)	5.76
चरण--II			
7. मुख्य नहर	कि०मी०	256	256
8. वितरण प्रणाली	कि०मी०	5112	1305
9. जलमार्ग (पक्के)	कि०मी०	31410	4280
	लाखहेक्टे०	10.12	1.38
10. कृष्य कमान क्षेत्र	लाख हेक्टे०	10.12	2.32
11. क्षमता	लाख हेक्टे०	8.10 (चरम)	1.86

(घ) राज्य सरकार ने नवम्बर, 1989 में आठवीं योजना के लिये एकीकृत विकास योजना तैयार की है जिसमें 3 लाख हैक्टेयर की अतिरिक्त क्षमता सृजित करने के लिये 1755 कि०मी० की वितरण प्रणाली, चरण–II क्षेत्र में 3 लाख हेक्टेयर को शामिल करने के लिये लगभग 9300 कि०मी० पक्के जलमार्गों और चरण–I में 0.3 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को शामिल करने हेतु 840 कि०मी० पक्के जलमार्गों के निर्माण की परिकल्पना है। राज्य सरकार से कहा गया है कि उप परियोजनाओं और धन की उपलब्धता के आधार पर क्रमबद्ध करके शेष कार्यों को वास्तव में प्राथमिकता प्रदान की जाय ताकि समयबद्ध कार्यक्रम के रूप में लाभ प्राप्त करने के लिये ऐसी उप परियोजनाओं को शुरू किया जाये तथा उन्हें पूरा किया जाए।

(ङ) आठवीं योजना स्तावों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। राज्य सरकार ने बताया है कि निधियों की उपलब्धता के होने पर, 8.10 लाख हैक्टेयर की अभिकल्प क्षमता प्राप्त करने के लिये चरण–II में शेष कार्यों को पूरा करने का काम दसवीं योजना तक जायेगा। चरण–I में शेष बचे हुये लघुकार्य मार्च, 1994 तक पूरे किये जायेंगे लेकिन चरण–II में जल मार्गों पर शेष कार्य को पूरा करना बाद की योजनाओं में जारी रहेगा।

"रामतिल" का उत्पादन

*296. श्री सुरेश पचौरी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "रामतिल" मध्य प्रदेश में आदिवासी कृषकों की प्रमुख तिलहनी फसल है ;

(ख) यदि हां, तो इस फसल की खेती कितने क्षेत्र में की जा रही है और